केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर में प्रकृति प्रोग्राम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन की रिपोर्ट

Report on Prakriti Awareness Programme on Environment Conservation at KV Hamirpur, HP

भा॰वा॰अ॰शि॰प॰ और केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुपालन में स्कूली बच्चों के बीच वनों और पर्यावरण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए और उन्हें वनों, जलवायु, सतत विकास, जैव विविधता की देखभाल और सुरक्षा हेतु सक्षम बनाने के लिए #प्रकृति कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी के अंतर्गत, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 04 जनवरी, 2024 को केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि॰प्र॰) में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम किया गया। श्री राजेंद्र पाल ने संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला तथा पर्यावरण सरंक्षण के लिए जरूरी मूल कर्तव्य के प्रति बच्चों को जागरूक किया। तत्पश्चात, उन्होंने वानिकी विषय में करियर की संभावनाओं के लिए छात्रों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने वानिकी प्रजातियों की उगाने की तकनीकों का भी प्रदर्शन किया। इसके अलावा, छात्रों को मिशन लाइफ और अमृत सरोवर कार्यक्रमों के बारे में भी संक्षेप में जानकारी दी गई। उन्हें शहरी वानिकी के महत्व के बारे में भी अवगत कराया गया और पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके अलावा उन्होंने छात्रों को मिशन लाइफ (Mission LiFE) की जानकारी भी दी। सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को अधिकतम करने और ऊर्जा संरक्षण के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का विवेकपूर्ण उपयोग और उनके खराब होने पर ईलेक्ट्रोनिक वेस्ट के उचित निपटान के महत्व के बारे में बताया गया। छात्रों को एकल प्लास्टिक का उपयोग करने से बचने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि हमे अपने साथ स्टील की पानी की बोतल रखनी चाहिए ताकि प्लास्टिक बोतल बंद पानी से बचा जा सके और लंच बॉक्स भी स्टील का ही प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने छात्रों को कहा कि उन्हे अपने आस-पास के लोगों को एकल प्रयोग प्लास्टिक के मानव और पर्यावरण के स्वास्थ्य पर होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करना चाहिए। श्री अरुण सिंह, रसायन विज्ञान व्याख्याता, केन्द्रीय विद्यालय, हमीरपुर ने संस्थान के निदेशक एवं श्री राजेंद्र पाल का उनके विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम करवाने के लिए धन्यवाद दिया। जागरूकता कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के 90 छात्रों ने भाग लिया।

भोटा में खोली जाए सी.एस.डी. कैंटीन

भोटा, 4 जनवरी (वर्मा): सौर, अगाहार, लोहडर, नंधन, मोरसु, पंचायत के पूर्व सैनिकों ने मांग की है कि माह में एक बार अस्थायी कैंटीन हमीरपुर से भोटा कस्बे में भेजी जाए। रिटायर लैफ्टीनैंट देवराज शर्मा, कैप्टन रमेश चंद, कैप्टन बाबूराम, कैप्टन दिलीप सिंह, कैप्टन अमित चंद, कैप्टन मुख्तार चंद, हवलदार किशोरी लाल, हवलदार विचित्र सिंह, हवलदार उत्तम सिंह ने बताया कि उक्त सभी पंचायतों के लगभग 200 पूर्व सैनिकों ने हस्ताक्षर करके मांग पत्र सी.एस.डी. कैंटीन के प्रबंधक लैफ्टीनैंट कर्नल सुरेश कुमार को सौंपा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर से भी इस मांग को पूरा करने के लिए आग्रह किया गया है।

पूर्व सैनिकों ने मांग की है कि भोटा नगर पंचायत में अस्थायी कैंटीन प्रतिमाह भेजी जाए। पूर्व सैनिकों को सामान लाने के लिए हमीरपुर, बड़सर व डिडवीं-टिक्कर जाना पड़ रहा है। नगर पंचायत प्रधान सपना सोनी, उपप्रधान संजय पार्षद, अश्विनी सोनी, बलदेव धीमान, डा. देश राज व व्यापार मंडल के प्रधान सनी शर्मा ने भी भोटा में स्थायी कैंटीन खोलने का समर्थन किया है।

हमीरपुर : केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर में प्रकृति प्रोग्राम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र विभाग के अधिकारियों के साथ सामूहिक चित्र में।

छात्रों को दी एकल प्लास्टिक का उपयोग करने से बचने की सलाह

केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर में हुआ पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

हमीरपुर, 4 जनवरी (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर में प्रकृति प्रोग्राम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रकृति प्रोग्राम, आई.सी.एफ.आर.ई. और केंद्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुपालन के तहत स्कूली बच्चों के बीच वनों और पर्यावरण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए और उन्हें वनों, जलवायु, सतत: विकास, जैव विविधता की देखभाल और सुरक्षा हेतु सक्षम बनाने के लिए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान विस्तार प्रभाग शिमला के राजेंद्र पाल ने संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी। तत्पश्चात उन्होंने बानिकी विषय में करियर की संभावनाओं के लिए छात्रों का मार्गदर्शन किया। इसके अलावा उन्होंने छात्रों को मिशन लाइफ की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। विशेषत: सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को अधिकतम करने और ऊर्जा संरक्षण के लिए इलैक्ट्रानिक उपकरणों का विवेकपूर्ण उपयोग और उनके खराब होने पर इलैक्ट्रानिक वेस्ट के उचित निपटान के महत्व के बारे में बताया गया। राजेंद्र पाल ने छात्रों को एकल प्लास्टिक का उपयोग करने से बचने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि हमें अपने साथ स्टील की पानी की बोतल रखनी चाहिए ताकि बोतल बंद पानी से बचा जा सके और लंच बॉक्स भी स्टील का ही प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने छात्रों से कहा कि उन्हें अपने आसपास के लोगों को एकल प्रयोग प्लास्टिक के मानव और पर्यावरण के स्वास्थ्य के होने वाले नुक्सान के प्रति जागरूक करना चाहिए।

केंद्रीय विद्यालय रसायन विज्ञान व्याख्याता अरुण सिंह ने संस्थान के निदेशक एवं राजेंद्र पाल का उनके विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम करवाने के लिए धन्यवाद किया। जागरूकता कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के 90 छात्रों ने भाग लिया।

****